लौकिक साई बाबा - प्रतिलेख ०७.१०.२०१४

मॉस घाटी में

हम लौकिक साईं बाबा का आह्वान करते हैं, और बड़े आनंद और प्रेम के साथ उनका स्वागत करते हैं|

“ ओह! मैं यहाँ हूँ ! मैं यहाँ कुछ समय से हूँ ! परन्तु, तुम लड़कियों के साथ तो यह सब बहुत सामान्य प्रतीत होता है !

(हसीं)

किन्तु मैं अपना कोई विचार नहीं सुना रहा हूँ | मैं यहाँ आकर बहुत प्रसन्न हूँ| और मुझे प्रसन्नता है कि मंदिर की घंटी को बजा कर याद दिलाने का मेरे तरीके पर आपने अपना ध्यान केंद्रित किया | और अब हम आगे चलेंगे|

मैं यहाँ लोगों को आश्वासन देने आया हूँ - हालांकि, पृथ्वी पर जो भी घटित हो रहा है वह निस्सन्देह चिंता का कारण है| और प्रार्थनाओं की **आवश्यकता** है; प्रार्थनाओं की अति आवशकता है, उन सब ऊर्जाओं को शांत करने लिए जो इस समय पृथ्वी के चारों ओर मंडरा रही हैं|

आपको किसी एक जगह पर ध्यान केंद्रित नहीं करना है; बस केवल प्रार्थनाएं भेजनी है - विश्व शांति के लिए प्रार्थना करनी है | और देवदूत - जो हमारे सहायक हैं - उस भारी और नकारी ऊर्जा को, जो बुढ़िया के काते जैसी दिखती है, ले जाकर - जैसा कि मैंने आपसे पहले भी कहा था - बिखरा देंगे| मैं आशा करता हूँ कि आपको समझाने में सक्षम हूँ समझाने चूंकि सभी चीज़ें ऊर्जा हैं|

और विचार भी एक ऊर्जा है| कुछ विचारों के रूप बहुत भारी व नकारात्मक होते हैं और उन को वस्तुतः आलोकित करना पड़ता है| मैं उम्मीद करता हूँ यह सब आपको समझ में आ रहा होगा|

और इस लिए आपकी प्रार्थनाओं की अति आवश्यकता है|

मैं यहाँ बहुत लम्बे समय के लिए बात करने (या भाषण देने) नहीं आया हूँ; मैं आप सब को आपके आत्म-जागृति के कार्य, जो आप सभी बहुत अच्छा कर रहे हैं, को प्रोत्साहित करने आया हूँ| मैं चाहता हूँ की यह वेबसाइट पर डाला जाए - कि मैं और मेरे साथी अत्यंत प्रसन्न हैं यह देखकर कि आत्म जागृति का कार्य करने वाले सभी लोग - बिना कोई प्रश्न- उत्तर पूछे अपनी आत्मीय चैतन्य की बतायी गयी दिशा का अनुसरण कर रहे हैं| क्योंकि यह श्रद्धा दिखाता है, मानवता के प्रति प्रेम दर्शाता है... ... सर्वव्यापी प्रेम की ऊर्जा, प्रार्थनाओं के साथ और दृढ़ हो जाती है, तो आपका धन्यवाद, धन्यवाद!, धन्यवाद!

इस पर, किसी के पास अधिक कहने के लिए कुछ भी नहीं है; पृथ्वी पर हो रही घटनाओं का मैं विश्लेषण कर सकता हूँ परन्तु उसकी आवश्यकता नहीं है| कुछ

मायने में यह सब नकारात्मक शक्तियों को और बल देगा| सिर्फ यह एहसास कीजिये कि चीज़ें बदल रही हैं, और जिन चीज़ों की आवश्यकता नहीं हैं वह ऊपरी सतह तक पहुँच कर बिखर जाती हैं|

कुछ नकारात्मक एवं भारी ऊर्जा एक संगठित बादल की तरह कस कर एक दुसरे को पकड़ लेतीं हैं| और इन ऊर्जाओं को आलोकित करना पड़ता है| जिस से पृथ्वी पर उपस्थित हर एक ऊर्जा अपना योगदान दे सके| कुछ भी संयोगवश नहीं होता है; जो भी कुछ होता है उस के पीछे निश्चय ही कोई उद्देश्य व कारण होता है|

तो कृपया किसी का आकलन मत कीजिये|

यह जानिए कि जिन लोगों को कुछ भी समझ में नहीं आ रहा है, उन्हें अत्यधिक प्रेम की आवश्यकता है| और मैं समझता हूँ कि आप मेरे कहने का तात्पर्य जानते व समझते हैं; और इस के लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूँ|

क्योंकि आप अब कई वर्षों से जागृत अवस्था में जी रहे हैं - और आपने हमारी बताई हुई बातों को ध्यानपूर्वक सुना व पढ़ा है | मैं आपको फिर से धन्यवाद देता हूँ|

तो मेरे जाने से पहले.... मैं उन सब को धन्यवाद देना चाहूँगा जिन्होंने मुझे पत्र लिखे हैं; और मैं उन्हें बताना चाहूँगा कि वे हमेशा मेरी प्रार्थनाओं में होते हैं| मैं उन्हें आशीर्वाद देता हूँ| मैं उन्हें भूला नहीं हूँ| यह बहुत ही कठिन समय है, और कई सारे लोग ऐसे मामलों में फसें हुए हैं जो उनकी समझ के परे है| बहुत सारी चीज़ें उनके पिछले जन्मों से आ रही हैं, वह जीवन जो उन्होंने कई युगों पहले जीया था| यदि वे स्वयं को पिछले जन्मों के कर्मों से उन्मुक्त करें, तो उन्हें बहुतायत प्रसन्नता मिलेगी| और मुक्त हो..... वे आगे की ओर बदलाव के साथ बढ़ सकते हैं और उन्हें यह नहीं महसूस होगा कि उनको पीछे किसी भी तरह से वापस घसीटा जा रहा है|

मैं चाहूंगा कि आप इस पर चिंतन करें|

तो धन्यवाद, मेरे प्रियजनों, धन्यवाद|

मैं, परमात्मा, आपको आशीर्वाद देता हूँ| ”

परिशिष्ट

हम कुछ देर के लिये बातें कर रहे थे तो मेरी आरामकुर्सी के बगल में रखी मंदिर की घंटी अपने आप ही बजने लगी| हम समझ गए कि लौकिक साई बाबा संकेत दे रहे हैं कि उनके संचरण का समय हो चला है|